

बुन्देलखण्ड के जैन तीर्थ

● कैलाश मड़वैया



बुद्धेलखण्ड की सिद्धि-



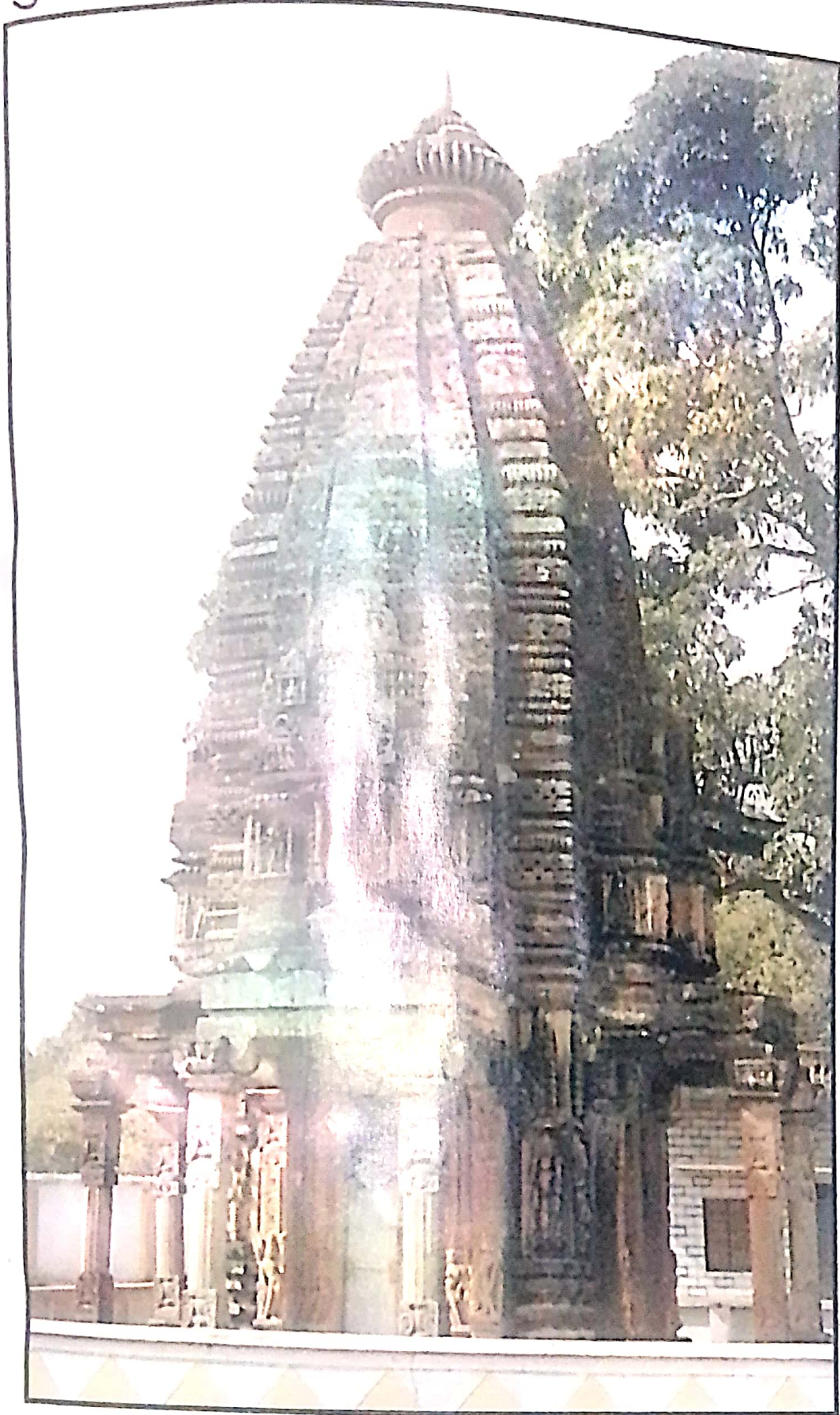
कुण्डलपुर के 'बड़े बाबा'
तीर्थंकर अविनाथ

बुन्देलखण्ड की कला-



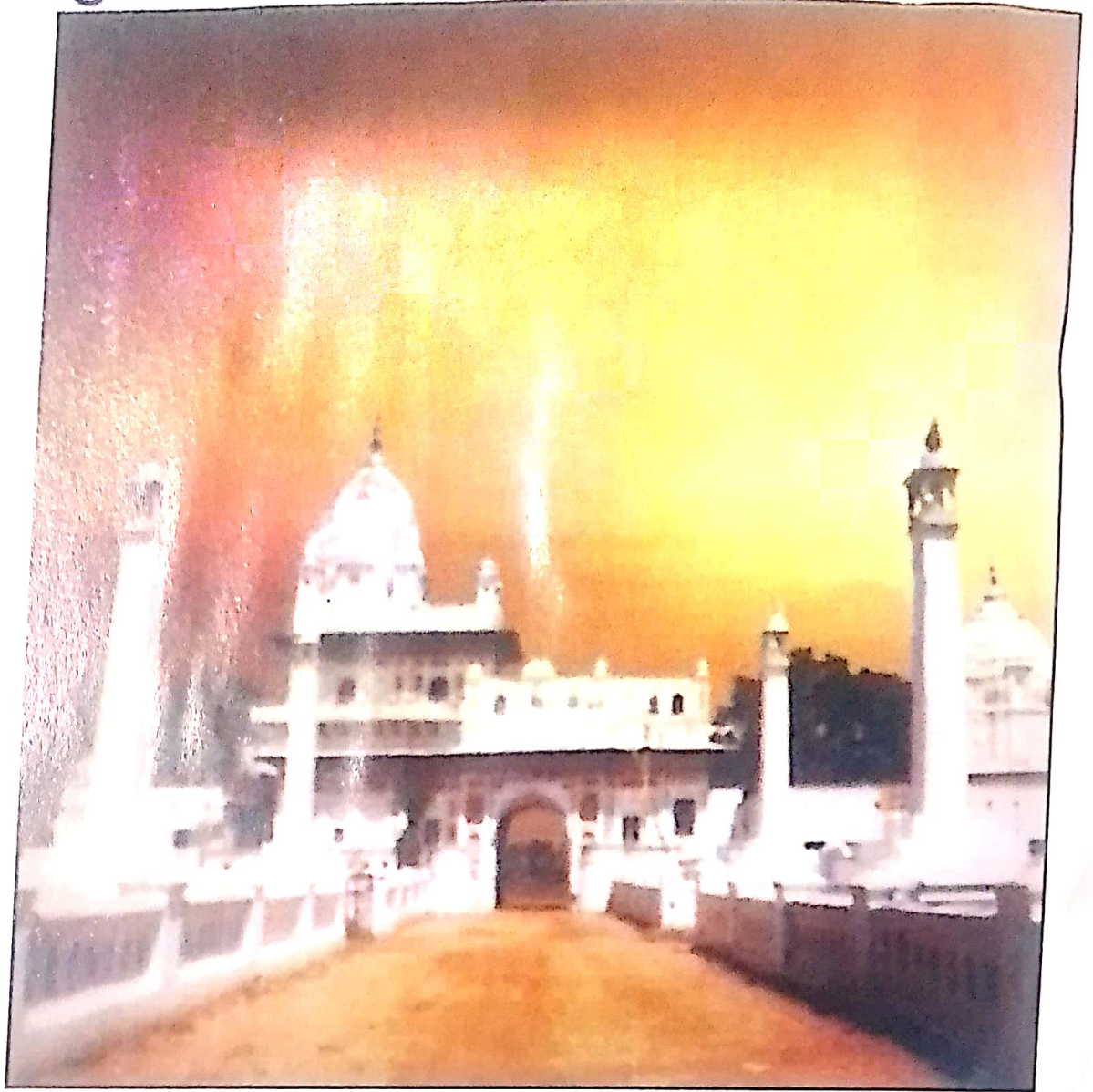
अद्वितीय दिगंबर पार्श्वनाथ जैन मंदिर
खजुराहो

बुन्देलखण्ड का पुरातत्व-



अदभुत सहस्रकूट चैत्यालय
बानपुर

बुन्देलखण्ड का पुण्य-



समतल पर प्राचीन मंदिरों का मेला
पपौरा

बुन्देलखण्ड के जैन तीर्थ BUNDELKHAND KE JAIN TIRTH
कैलाश मड़बैया KAILASH MADBAIYA

आई.एस.बी.एन. : 81-68364-09-9

प्रकाशक : मनीष प्रकाशन
75, चित्रगुप्त नगर, कोटरा सुल्तानाबाद,
भोपाल (म.प्र.) 462003
फोन : 0755-2774037

प्रकाशन वर्ष : जनवरी 2004

सर्वाधिकार © : लेखकाधीन

सहयोग : अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं
संस्कृति परिषद् तथा
राष्ट्रीय 'अनेकान्त' अकादमी।

मुद्रक : प्रियंका ऑफसेट, 25-ए, प्रेस काम्पलेक्स, भोपाल.
फोन : 0755-2555789

आवरण : दिगम्बर जैन सिद्ध तीर्थ सोनागिरि

मूल्य : 200/- (दो सौ मात्र रुपये)



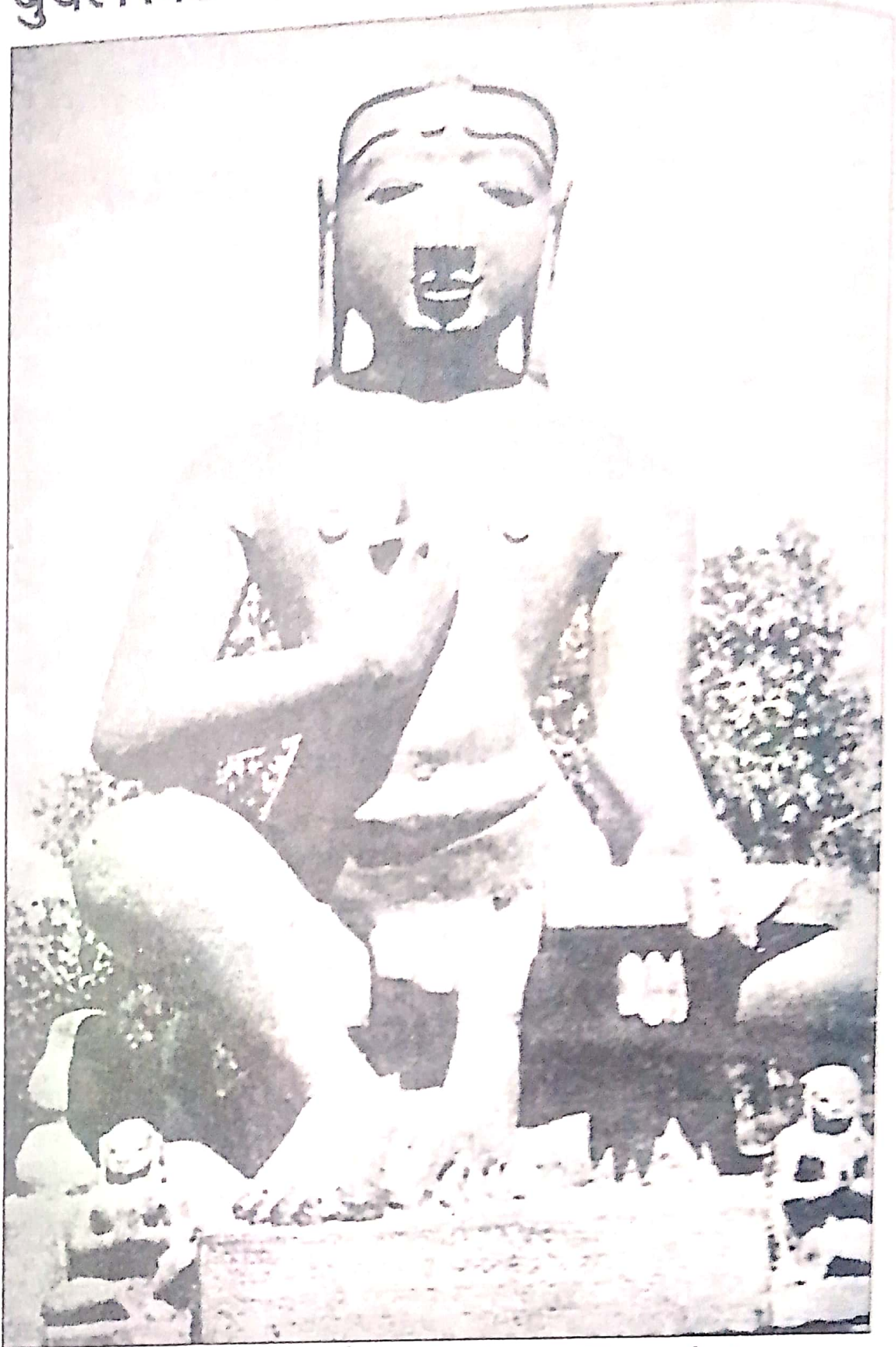
अनुक्रमणिका

क्र.	तीर्थ-क्षेत्र का नाम	पृष्ठ-संख्या
●	आत्म-निवेदन	
●	शुभारम्भ	
1.	सोनागिरि	15
2.	मनहरदेव	18
3.	प्यावल	19
4.	ग्वालियर	20
5.	पनिहार	23
6.	सिहोनिया	24
7.	चन्देरी	26
8.	गुरीलागिरि	28
9.	खंदारगिरि	28
10.	बूढी चन्देरी	30
11.	थूवोन जी	31
12.	आमनचार	33
13.	बीठला	33
14.	भियादाँत	33
15.	भामौन	34
16.	गोलाकोट	34
17.	पचराई	35
18.	बजरंगगढ़	36
19.	मल्हारगढ (निसई)	38
20.	संमरखेडी	39

21.	सूखा निसई	39
22.	विदिशा	40
23.	ग्यारसपुर-हिण्डोला	44
24.	फूफेर गुफाएँ	45
25.	उदयगिरि	46
26.	करगुवाँ	48
27.	पवा जी (पावागिरि)	50
28.	ललितपुर	53
29.	देवगढ़	54
30.	सेरोन	61
31.	बानपुर	64
32.	चाँदपुर	70
33.	जहाजपुर	72
34.	दूधई	72
35.	बालाबेहट	74
36.	नवागढ़	75
37.	मदनपुर	77
38.	गिरार	79
39.	सीरोन	79
40.	पपौरा जी	80
41.	बड़ागाँव	85
42.	बंधाजी	86
43.	जतारा	87
44.	अहार जी	89
45.	खजुराहो	93

46.	अजयगढ	98
47.	श्रेयांसगिरि	98
48.	द्रोणगिरि (सेधपा)	101
49.	नैनागिरि (रेशंदीगिरि)	104
50.	पटनागंज	107
51.	पजनारी	109
52.	बीना-बारहा	110
53.	कुण्डलपुर	114
54.	जबलपुर	119
55.	पनागर	121
56.	बहोरीबन्द	123
57.	लखनादौन	124
58.	कोनी (कुण्डलगिरि)	125
59.	भोजपुर	128
60.	समसगढ	130
61.	कुराना जी	130

बुंदेलखंड का बाँकपन-



देवगढ़-उपाध्याय परमेष्ठी की सौम्य मूर्ति-अपूर्व संग्रहा

भामौन

चंदेरी परिक्षेत्र में ही ईसागढ़ से मात्र 13 किलोमीटर और बीठला जैन क्षेत्र से यह केवल 6 किलोमीटर दूर है।

यहाँ केवल मंदिरों के भग्नावशेष विद्यमान हैं। जैन तीर्थंकर मूर्तियों के खण्डित हिस्से और निकट की पहाड़ियों पर भी कलावशेष विद्यमान हैं।

अतिशय क्षेत्र

गोलाकोट

स्थिति

बुन्देलखंड के उत्तर पश्चिम में चौरासी क्षेत्र, विंध्यांचल पर्वत शृंखलाओं के मध्य, वेत्रवति, उर्वशी और मधुमति सरिताओं से परिवेष्टित म.प्र. के शिवपुरी व गुना जिलों के अंचल को कहा जाता है। इस अंचल में अनेक जैन तीर्थ-क्षेत्र दर्शनीय हैं। जैसे- चंदेरी, बूढ़ी चंदेरी, गोलाकोट, पचराई इत्यादि।

शिवपुरी जिला मुख्यालय से चन्देरी जाने वाले मार्ग में खनियाधाना से दक्षिण की ओर 8 कि. मी. व बामौर कलां ग्राम से उत्तर की ओर



एक मनोज्ञ तीर्थंकर प्रतिमा

बुन्देलखण्ड के जैन तीर्थ

